International Literacy Day Celebrations at Uttar Pradesh and Uttarakhand - Media Coverage

आज

कानपुर ९ सितम्बर २०१८

तारा अक्षर+ नवसाक्षर महिलाओं ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

(आज समाचार सेवा)

झांसी, ८ सितम्बर। सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के तत्वावधान में तारा अक्षर+ साक्षरता कार्यक्रम झाँसी जिले के बड़ागांव ब्लॉक के ५ गाँवों –पहलगुआ, मबई, छपरा, बाबल टांडा और गडमऊ में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक तीन महीने के चरण में १५० महिलाओं को साक्षर किया जा रहा है ७

तारा अक्षर+ कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पहलगुआ में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ७ इस अवसर पर पहलगुआ गाँव की चौथे चरण में साक्षर हुई ३० महिलाओं को तारा अक्षर+ साक्षरता प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये७

कार्यक्रम में उपस्थित महिलायें। छाया–आज

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान पहलगुआ जवान सिंह यादव ने नवसाक्षर महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा के बिना किसी कार्यक्रम का नियोजन सम्भव नहीं है। शिक्षा हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। श्री यादव ने कन्या शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि एक व्यक्ति का शिक्षित होना उसके स्वयं का विकास है वहीं एक बालिका शिक्षित होकर पूरे घर को संवार सकती है।

तारा ग्राम ओरछा से तारा अक्षर+ कोऑर्डिनेटर गुन्जेश कुमार गुंजन ने अपने सम्बोधन में परियोजना से जुड़े सभी लोगों के कार्यों की प्रशंसा की और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनायें देते हुए सभी नव साक्षर महिलाओं से पठन–पाठन की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने के लिए ज्ञान चौपाली में पढ़ने की गुजारिश की।

तारा अक्षर+ कार्यक्रम एक कम्प्यूटर आधारित साक्षरता कार्यक्रम है जो निरक्षर महिलाओं को ५६ दिनों में हिन्दी पढ़ना–लिखना एवं गणित की मूलभूत जानकारी देता है। इसके पश्चात ६ माह के लिए ज्ञान चौपाली का संचालन किया जाता है जिसमें नवसाक्षर महिलाओं को साक्षरता के अभ्यास कराने के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दैनिक जीवन में काम आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाती हैं।७ इसके पश्चात नवसाक्षर महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण भी प्रदान कराया जाता है।

तारा अक्षर+ कार्यक्रम के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर कर्नल एम. एस. आहलुवालिया ने अपने सन्देश में सभी को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनायें भेजीं।

कार्यक्रम के आयोजन में सुपरवाइजर आशीष यादव, प्रशिक्षक प्रसन्न राजपूत तथा तारा सहेली संतोषी गौतम का विशेष योगदान रहा।

महिलाओं के शिक्षित होने से साक्षर होगा समाजः जिलाधिकारी

ज्ञानपुर | निज संवाददाता

सोसाइटी फार डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स सार्थक संस्था के तत्वावधान में क्षेत्र के चकवा महावीर मंदिर परिसर में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रहे जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस दौरान डीएम ने कहा कि प्रत्येक निरक्षर व्यक्ति को साक्षर होना अत्यंत जरुरी है। एक पुरुष जब साक्षर होता है तो सिर्फ एक शिक्षित होता है, लेकिन जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार साक्षर हो जाता है। तारा अक्षर हजार महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपने हित में आवाज उठा रही हैं। बेटियों की पढ़ाई के प्रति समाज के हर वर्ग को गंभीर होने की जरुरत है।

शिक्षा ही एक ऐसा विकल्प है जिसके माध्यम से हम अपने हक के लिए आवाज उठा सकते हैं। शिक्षा ऐसा धन है जिसे जितना खर्च करेंगे वह उतना ही बढ़ता है। सीडीओ हरिशंकर सिंह ने भी तारा अक्षर द्वारा चलाए जा रहे सार्थक पहल की तारिफ की। इस मौके पर सीएमओ डा. सतीश सिंह, डा. माधुरी पांडेय, राजेश कुशवाहा, प्रवीण कुमार, कृष्णमुरारी, प्रकाशचंद्र, सुभाषचंद्र, राकेश कुमार

अमर उजाला
रविवार 09 सितंबर 2018

शिक्षा के बिना मानव जीवन का मोल नहीं

अमर उजाला ब्यूरो

चकवां महवीर मंदिर पर ताराअक्षर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं।

ज्ञानपुर। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर शनिवार को सोसायटी फॉर डेवलपमेंट और सार्थक संस्था की ओर से चकवां मंदिर पर शिक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें साक्षरता को बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसी तरह बीआरसी ज्ञानपुर से साक्षरता जागरूकता रैली निकाली गई।

चकवां मंदिर पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने गोष्ठी का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बिना मानव जीवन बेकार है। महिला शिक्षा पर जोर दिया। तारा अक्षर महिलाओं को शिक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। सीडीओ हरिशंकर सिंह ने कहा कि संस्था की ओर से महिलाओं को शिक्षित करने का कदम सराहनीय है। जिला विधिक प्राधिकरण की पूर्णकालिक सचिव पूर्णिमा सागर ने महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया और विधिक जानकारी दी। संस्था के ब्लॉक कोआर्डिनेटर राजेश कुशवाहा ने कहा कि संस्था ने अब तक औराई ब्लॉक के 28 गांवों की तीन हजार महिलाओं को साक्षर किया जबकि 2020 तक सात हजार महिलाओं को साक्षर करने का लक्ष्य तय किया गया है। मौके पर सीएमओ डॉ. सतीश सिंह, प्रवीण कुमार, सुभाष चंद्र, अर्जुन चंद्र, राकेश कुमार, कृष्ण मुरारी आदि रहे।

वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर बीआरसी ज्ञानपुर में साक्षरता रैली निकाली गई। रैली को राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अखिलेश यादव और जिला समन्वयक नीरज उपाध्याय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल बच्चे शिक्षा से जुड़े तमाम स्लोगन से लोगों को जागरूक किया। नगर भ्रमण करने के बाद रैली बीआरसी पर आकर समाप्त हुई। इसके बाद प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय ज्ञानपुर, आदर्श प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गोष्ठी आयोजित कर शिक्षा पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर मानिक चंद्र यादव, रागिनी देवी, वरूण कुमार तिवारी, वंदना, विमल कुमार मिश्रा, सभाजीत यादव, मूलचंद्र गुप्ता, सारिका श्रीवास्तव, रेनू यादव, जमाल अख्तर आदि रहे।

संडे राष्ट्रीय सहारा
कानपुर 9 सितम्बर • 2018
*******+ पृष्ठ 16+4 (संडे उमंग), मूल्य ₹ 3.00 राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण डाक संस्करण

महिलाओं ने मनाया अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

ललितपुर (एसएनबी)। आज शनिवार को तारा अक्षर कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम ननौरा में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी शिव नारायण रहे तथा अध्यक्षता ग्राम प्रधान कृष्ण पाल सिंह ने की। सोसाइटी फर डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स तथा साई ज्योति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आईकिया फाउंडेशन द्वारा समर्थित तारा अक्षर साक्षरता कार्यक्रम ललितपुर जिले के जखौरा ब्लॉक के 28 गांवों में चलाया जा रहा है। अब

दो वर्षों में सात हजार महिलाओं को किया जायेगा साक्षर

तक 1840 महिलाओं को साक्षर किया जा चुका है। कार्यक्रम का लक्ष्य 2020 तक सात महिलाओं को साक्षर करना है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी शिवनारायन ने नवसाक्षर महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि निरक्षरता हमारे समाज में एक कलंक है परन्तु यदि लगन हो तो किसी भी उम्र में शिक्षित/ साक्षर होने से कोई नही रोक सकता। उन्होंने कहा कि तारा अक्षर के माध्यम से साक्षरता की जो अलख जगायी जा रही है वह सराहनीय है। उन्होने कहा कि साक्षर होने के बाद कोई भी व्यक्ति आपका शोषण नही कर सकता। आज कल समाज में ईमानदारी समाप्त हो रही है लोग गरीब एवं निरक्षर लोगों को तरह तरह से बेवकूफ बनाने का काम कर रहे। लेकिन जब आप शिक्षित हो जायेंगे तो कोई आपको गुमराह नही कर पायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ये संस्था गरीब, दलित, आदिवासी एवं महिलाओं के विकास के लिए जो कार्य कर रही है वे धरातल पर दिखाई दे रहे है।

ललितपुर : तारा अक्षर कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षित महिलाओं को दिये गये प्रमाण पत्र व मंचासीन अतिथिगण। फोटो : एसएनबी

उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की बधाई देते हुए तारा अक्षर कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। प्रोग्राम कोआर्डिनेटर अकील अहमद ने कहा कि तारा अक्षर कार्यक्रम का उद्देश्य निरक्षर महिलाओं को साक्षर बनाना है।

28 तारा अक्षर केन्द्रों एवं ज्ञान चौपाली केन्द्रों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग दो हजार महिलाओं के साथ शिक्षण का कार्य विकास खण्ड जखौरा में किया जा रहा है। साई ज्योति संस्था सचिव अजय श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में परियोजना से जुड़े सभी लोगों के कार्यों की प्रशंसा की और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए नव साक्षर महिलाओं से पठन-पाठन की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने की गुजारिश की। तारा अक्षर कार्यक्रम के ब्लॉक कॉआर्डिनेटर पुष्पेन्द्र ने कहा तारा अक्षर कार्यक्रम एक कम्प्यूटर पर आधारित साक्षरता कार्यक्रम है जो निरक्षर महिलाओं को 56 दिनों में हिन्दी पढ़ना-लिखना एवं गणित की मूलभूत जानकारी देता है। इसके पश्चात 6 माह के लिए ज्ञान चौपाली का संचालन किया जाता है जिसमें नवसाक्षर महिलाओं को साक्षरता के अभ्यास कराने के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दैनिक जीवन में काम आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाती हैं। इसके पश्चात नवसाक्षर महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण भी प्रदान कराया जाता है।

तारा अक्षर कार्यक्रम के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर कर्नल एम. एस. आहलुवालिया ने अपने सन्देश में सभी को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के आयोजन में आधार सिंह यादव, सीनियर सुपरवाइजर राघवेन्द्र पाण्डे, नन्दलाल राजपूत, भूपेन्द्र नायक, प्रशिक्षक बब्ली, राजेश्वरी, भारती तारा सहेली प्रियंका, सरिता, रश्मि तथा साई ज्योति संस्था से कमलेश भवानी आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन महेश रिछरिया ने किया व आभार अरविन्द चतुर्वेदी ने किया।

दैनिक जागरण
झाँसी, रविवार 9 सितम्बर, 2018

समाज पर कलंक के समान है निरक्षरता : सीडीओ

ललितपुर: प्रमाण पत्र के साथ तारा अक्षर से नवसाक्षर हुई महिलाओं।

• तारा अक्षर नवसाक्षर महिलाओं के बीच मनाया अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

ललितपुर ब्यूरो: सोसायटी फॉर डेवलपमेण्ट अल्टरनेटिव्स तथा साई ज्योति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जिले में संचालित तारा अक्षर कार्यक्रम के तहत ग्राम ननौरा में मुख्य विकास अधिकारी शिवनारायण के मुख्य आतिथ्य व ग्राम प्रधान कृष्णपाल सिंह की अध्यक्षता में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि निरक्षरता एक कलंक के समान है, इस कलंक को किसी भी आयुवर्ग धोया जा सकता है। कार्यक्रम कोआर्डिनेटर अकील अहमद ने कहा कि विकास खण्ड जखौरा में 28 तारा अक्षर केन्द्र व ज्ञान चौपाली केन्द्रों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 2000 महिलाओं के साथ शिक्षण का कार्य किया जा रहा है। साई ज्योति संस्था सचिव अजय श्रीवास्तव ने नवसाक्षर महिलाओं से पठन-पाठन की गतिविधियां निरन्तर जारी रखने को कहा। ब्लॉक कॉआर्डिनेटर पुष्पेन्द्र ने बताया कि तारा अक्षर कार्यक्रम एक कम्प्यूटर पर आधारित साक्षरता कार्यक्रम है। इसके तहत निरक्षर महिलाओं को 56 दिन में हिन्दी पढ़ना-लिखना एवं गणित की मूलभूत जानकारी दी जाती है। इसके बाद 6 माह के लिए ज्ञान चौपाली का संचालन किया जाता है। इस अवसर पर तारा अक्षर कार्यक्रम के चीफ प्रोजवट मैनेजर कर्नल एमएस आहलुवालिया, आधार सिंह यादव, सीनियर सुपरवाइजर राघवेन्द्र पाण्डे, नन्दलाल राजपूत, भूपेन्द्र नायक, प्रशिक्षक बबली, राजेश्वरी, भारती, तारा सहेली प्रियंका, सरिता, रश्मि तथा साई ज्योति संस्था से कमलेश, भवानी का योगदान रहा। संचालन महेश रिछरिया व आभार अरविन्द चतुर्वेदी ने व्यक्त किया।

अमर उजाला
SUNDAY 09.09.2018

साक्षरता दिवस पर युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया बल

ललितपुर। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर विभिन्न संस्थाओं ने विश्व साक्षरता दिवस मनाया। जहां तारा अक्षर कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम ननौरा में कार्यक्रम हुआ। वहीं, रामरतन विद्या मंदिर महावीरपुरा में साक्षरता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ग्राम ननौरा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे मुख्य विकास अधिकारी शिव नारायण ने कहा कि निरक्षरता हमारे समाज में एक कलंक है। यदि लगन हो तो किसी भी उम्र में शिक्षित/ साक्षर होने से कोई नही रोक सकता। तारा अक्षर के माध्यम से साक्षरता की जो अलख जगायी जा रही है वह सराहनीय है। साक्षर होने के बाद कोई भी व्यक्ति शोषण नहीं कर सकता। अध्यक्षता ग्राम प्रधान कृष्ण पाल सिंह ने बताया कि सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स एवं साई ज्योति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आईकिया फाउंडेशन द्वारा समर्थित तारा. अक्षर साक्षरता कार्यक्रम ललितपुर जिले के जखौरा ब्लॉक के 28 गांवों में चलाया जा रहा है।

आज

कानपुर, 9 सितम्बर 2018

हर्षोल्लास से मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

हरदोई 08 सितंबर। एचसीएल फाउंडेशन की ओर से समर्थित तारा अक्षर साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत सोसाइटी फॉर तारा तथा सर्वोदय आश्रम संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एच. सी. एल. की ओर से जिले के कछौना ब्लॉक की 5 ग्राम पंचायतों में दूसरे चरण में माह मई से जुलाई 2018 तक 582 महिलाओं को साक्षर किया गया। तारा अक्षर कार्यक्रम के अन्तर्गत दूसरे चरण में साक्षर हो चुकी 168 महिलाओं को बघौड़ा ग्राम के सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में साक्षरता प्रमाण पत्र पत्र प्रदान किए गए तथा अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक रामपाल वर्मा ने महिलाओं को शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य के जीवन को रोशन करती है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने के लिए महिलाओं से आह्वान किया। डॉ अशोक गुप्ता, मण्डल प्रभारी ने कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा के बिना किसी कार्यक्रम का नियोजन सम्भव नहीं है। पूर्व अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ इकबाल सिंह ने कन्या शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि एक व्यक्ति का शिक्षित होना उसके स्वयं का विकास है, वहीं एक बालिका शिक्षित होकर पूरे घर को संवार सकती है। तारा अक्षर कार्यक्रम के प्रोग्राम समन्वयक अकील अहमद ने अपने सम्बोधन में कहा कि तारा अक्षर एक कम्प्यूटर आधारित साक्षरता कार्यक्रम है जो निरक्षर महिलाओं को 56 दिनों में हिन्दी पढ़ना-लिखना एवं गणित की मूलभूत जानकारी देता है। इसके पश्चात 6 माह के लिए ज्ञान चौपाली का संचालन किया जाता है जिसमें नवसाक्षर महिलाओं को साक्षरता के अभ्यास कराने के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दैनिक जीवन में काम आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाती हैं। इस कार्यक्रम के तीन चरणों में अक्टूबर 2018 तक कछौना ब्लॉक की 1500 से अधिक निरक्षर महिलाओं को साक्षर बनाया जायेगा। सर्वोदय आश्रम संस्था की सचिव कुसुम जौहरी ने अपने संबोधन में पठन-पाठन की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने की गुजारिश की। तारा अक्षर कार्यक्रम के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर कर्नल एम. एस. आहलुवालिया, निदेशक सर्वोदय आश्रम श्री शारदा प्रसाद जौहरी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री सुरेश सिंह, ग्राम प्रधान श्रीमती अनिता वर्मा, महेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

प्रमाण पत्र देते, मौजूद महिलाएं

आज

वाराणसी, ९ सितम्बर २०१८

महिलाओंके साक्षर होनेसे दो कुल होते हैं शिक्षित

ज्ञानपुर। औराई विकास खण्ड के चकवा महावीर मंदिर प्रांगण में स्थित म कार्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि प्रत्येक निरक्षर व्यक्ति को साक्षर होना जरूरी है। जब एक पुरूष साक्षर होता है तो सिर्फ एक परिवार साक्षर होता है जब एक महिला साक्षर होती है तो कुलो को साक्षरता की ओर ले चती है। उन्होंने मंच से ही जिला मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओ की जानकारी एवं प्रशिक्षण से लाभान्वित महिलाओ को कराया जाय। विशिष्ट अतिथि सीडीओ ने कहा कि जिले को संस्था द्वारा साक्षर का काम करना पुनीत कार्य है जो सराहनीय है। इस अवसर पर संस्था के भारी संख्या में कर्मचारी रहे।

दैनिक जागरण

वाराणसी, 9 सितंबर 2018

साक्षर होगीं महिलाएं, मजबूत होगा राष्ट्र

आत्मनिर्भर बन करना चाहिए सहयोग साक्षरता दिवस के मौके पर हुए विविध कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, ज्ञानपुर (भदोही) : आधी आबादी यानी महिलाएं जितना ही साक्षर व सशक्त होगीं राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। अंतर राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के मौके पर शनिवार को डेवलपमेंट अल्टरनेटिव व सार्थक संस्था की ओर से चकवा में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने यह बातें कहीं। उन्होंने महिलाओं को शासन स्तर से संचालित योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का संदेश दिया।

कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में प्रत्येक महिलाओं को चाहिए कि वह आत्मनिर्भर बनें। साथ ही परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी हरिशंकर सिंह ने कहा कि आधी आबादी के रूप में शुमार महिलाएं जब सशक्त होंगी तभी परिवार, समाज व राष्ट्र सशक्त होगा। महिलाओं को शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा से ही वह अपने अधिकारों को हासिल कर सकती हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सतीश सिंह ने महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर चलाई जा रही योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान महिलाओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं थीं।

महराजगंज प्रतिनिधि के अनुसार पूर्व माध्यमिक विद्यालय महाराजगंज में विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया। बच्चों को साक्षरता दिवस के महत्व की विधिवत जानकारी दी गई। साथ ही बालक-बालिकाओं के बीच साक्षरता दिवस से संबंधित चार्ट पेपर, लघु नाटक आदि कराया गया। सुगमकर्ता डॉ. माया त्रिपाठी द्वारा बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पढ़ी- लिखी माता बच्चों की भाग्य विधाता होती है। इस मौके पर प्रधानाध्यापक विनोदचंद्र द्विवेदी, चंद्रशेखर तिवारी, अमृता पांडेय व अन्य थे।

सुरक्षित नारियां करेंगी देश व समाज का विकास-मीरजापुर : लालडिग्गी स्थित एक लाज में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से वीरांगना प्रशिक्षण अभियान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मझवां विधायक सुचिस्मिता मौर्य ने कहा कि भारत में नारियों का विशिष्ट स्थान रहा है। प्रशिक्षण में आई बहनों से मझवां विधायक ने कहा कि नारी, बहू एवं बेटी अपने आप को सुरक्षित तभी महसूस करेगी जब हम अपने समाज और देश को आगे ले जाएंगे। समाज में जो अच्छी बात को देखे तो उसे अपने जीवन में अवश्य उतारना चाहिए। हमारा देश सांस्कृतिक और सभ्यता का देश रहा है। इसी क्रम में भाजपा भी नारियों का सम्मान कर रही है। पुलिस अधीक्षक शालिनी अग्निहोत्री ने कहा कि लड़कियों को अलग से माहौल देने की जरूरत नहीं है। जिस भी माहौल में होती हैं वे अपनी जगह स्वयं बना लेती हैं। बताया कि 1090 और 100 नंबर पर काल करके या एप के माध्यम से मनचलों से अपनी सुरक्षा कर सकती है।

जिला संयोजक राजेश सिंह ने कहा जहां नारी की पूजा होती है वहीं लक्ष्मी का वास होता है। इसके पूर्व कार्यक्रम का आरंभ पं. दीनदयाल उपाध्याय और डा. श्यामाप्रसाद मुकर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। अध्यक्षता राजेश सिंह व संचालन पुष्पेंद्र द्विवेदी ने किया।

नईदुनिया
ग्वालियर, रविवार 09 सितंबर 2018

कार्यक्रम अभियान के अंतर्गत प्रत्येक तीन महीने के चरण में 150 महिलाओं को साक्षर किया जा रहा है

तारा अक्षर व नवसाक्षर महिलाओं ने मनाया साक्षरता दिवस

झांसी। नईदुनिया प्रतिनिधि

सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट अल्टरनेटिव के तत्वावधान में तारा अक्षर साक्षरता कार्यक्रम में जिले के बड़ागांव ब्लॉक के पांच गांवों पहलगुआ, मबई, छपरा, बाबल टांडा और गडमऊ में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक तीन महीने के चरण में 150 महिलाओं को साक्षर किया जा रहा है।

तारा अक्षर कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पहलगुआ में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पहलगुआ गांव की चौथे चरण में साक्षर हुई तीस महिलाओं को तारा

महिलाओं को सम्मानित करते संस्था के सदस्य।

अक्षर व साक्षरता प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान पहलगुआ जवान सिंह यादव ने नवसाक्षर महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान युग में शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षा के बिना किसी कार्यक्रम का नियोजन संभव नहीं है। शिक्षा हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। यादव ने कन्या शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि एक व्यक्ति का शिक्षित होना उसके स्वयं का विकास है। वहीं एक बालिका शिक्षित होकर पूरे घर को संवार सकती है।

तारा ग्राम ओरछा से तारा अक्षर का ऑर्डिनेटर गुंजेश कुमार गुंजन ने अपने संबोधन में परियोजना से जुड़े सभी लोगों के कार्यों की प्रशंसा की और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी नवसाक्षर महिलाओं से पठन-पाठन की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने के लिए ज्ञान चौपाली में पढ़ने की गुजारिश की। तारा अक्षर कार्यक्रम एक कम्प्यूटर आधारित साक्षरता कार्यक्रम है, जो निरक्षर महिलाओं को 56 दिनों में हिन्दी पढ़ना-लिखना एवं गणित की मूलभूत जानकारी देता है। इसके पश्चात छह माह के लिए ज्ञान चौपाली का संचालन किया जाता है। इसमें नवसाक्षर महिलाओं को साक्षरता के अभ्यास कराने के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दैनिक जीवन में काम आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाती हैं। इसके पश्चात नवसाक्षर महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण भी प्रदान कराया जाता है।

दैनिक
बद्री विशाल
विश्वसनीयता का संदेशवाहक
9 सितम्बर 2018

शिक्षा के बिना जीवन अपंग: भिक्कम सिंह

चोली शहाबुद्दीनपुर गांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

रुद्रकोट बद्री विशाल। सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट अल्टरनेटिव तथा विलेज डेवलपमेंट सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आइकिया फाउंडेशन द्वारा समर्थित तारा अक्षर साक्षरता कार्यक्रम हरिद्वार जिले के भगवानपुर ब्लॉक के 28 गांवों में चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक 2836 महिलाओं को साक्षर किया जा चुका है। कार्यक्रम का लक्ष्य 2020 तक 7000 महिलाओं को साक्षर करना है।

तारा अक्षर कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम चोली शहाबुद्दीनपुर में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी भीकम सिंह ने नवसाक्षर महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जैसे बिना अंग के शरीर दिव्यांग कहलाता है ऐसे ही बिना शिक्षा के जीवन भी अपंग कहलाता है जिसको पूरा करने का काम तारा अक्षर कार्यक्रम कर रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य चोली पोषम रावत ने कहा कि बिना शिक्षा के जीवन अधूरा है। ग्राम प्रधान शाइस्ता बेगम ने बताया कि ग्राम चोली में तारा अक्षर के माध्यम से महिलाएं जागरूक हो रही हैं।

कार्यक्रम समन्वयक राजीव पांडेय ने सभी अतिथिगणों का स्वागत करते हुए सभी महिलाओं को साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं दी। विलेज डेवलपमेंट सोसाइटी के सचिव आरती सैनी ने अपने सम्बोधन में परियोजना से जुड़े सभी लोगों के कार्यों की प्रशंसा की और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनायें देते हुए नव साक्षर महिलाओं से पठन पाठन की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने की गुजारिश की। तारा अक्षर कार्यक्रम एक कम्प्यूटर आधारित साक्षरता कार्यक्रम है, जो निरक्षर महिलाओं को 56 दिनों में हिन्दी पढ़ना लिखना एवं गणित की मूलभूत जानकारी देता है। इसके पश्चात 6 माह के लिए ज्ञान चौपाली का संचालन किया जाता है जिसमें नवसाक्षर महिलाओं को साक्षरता के अभ्यास कराने के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दैनिक जीवन में काम आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाती हैं। इसके पश्चात नवसाक्षर महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण भी प्रदान कराया जाता है। तारा अक्षर कार्यक्रम के चीफ पार्टनर मैनेजर कर्नल एम.एम. अहलूवालिया ने अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राव आशकार अली, सीनियर सुपरवाइजर पारस सैनी आदि का विशेष योगदान रहा।

सत्ता सरकार

ललितपुर, रविवार 9 सितम्बर 2018

दो वर्षों में सात हजार महिलाओं को किया जायेगा साक्षर

तारा अक्षर नवसाक्षर महिलाओं ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

ललितपुर। आज तारा अक्षर कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम ननौरा में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े हर्षोंगास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे मुख्य विकास अधिकारी श्री शिव नारायण जी रहे तथा अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्री कृष्ण पाल सिंह ने की।सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स तथा साई %योति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आईकिया फाउंडेशन द्वारा समर्थित तारा अक्षर साक्षरता कार्यक्रम ललितपुर जिले के जखौरा ब्लॉक के 28 गाँवों में चलाया जा रहा है। अब तक 1840 महिलाओं को साक्षर किया जा चुका है। कार्यक्रम का लक्ष्य 2020 तक 7000 महिलाओं को साक्षर करना है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी श्री शिवनारायन जी ने नवसाक्षर महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि निरक्षरता हमारे समाज में एक कलंक है परन्तु यदि लगन हो तो किसी भी उम्र में शिक्षित/ साक्षर होने से कोई नही रोक सकता। उन्होने कहा कि तारा अक्षर के माध्यम से साक्षरता की जो अलख जगायी जा रही है वह सराहनीय है। उन्होने कहा कि साक्षर होने के बाद कोई भी व्यक्ति आपका शोषण नही कर सकता। आज कल समाज में ईमानदारी समाप्त हो रही है लोग गरीब एवं निरक्षर लोगो को तरह तरह से बेवकूफ बनाने का काम कर रहे। लेकिन जब आप शिक्षित हो जायेगे तो कोई आपको गुमराह नही कर पायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने संस्था के कार्यो की सराहना करते हुये कहा कि ये संस्था गरीब, दलित, आदिवासी एवं महिलाओं के विकास के लिए जो कार्य कर रही है वे धरातल पर दिखाई दे रहे है। उन्होने अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की बधाई देते हुये तारा अक्षर कार्यक्रम की सफलता हेतु शुभकामनायें दी। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर अकील अहमद ने कहा कि तारा अक्षर कार्यक्रम का उददेश्य निरक्षर महिलाओं को साक्षर बनाना है। 28 तारा अक्षर केन्द्रो एवं ज्ञान चौपाली केन्द्रों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 2000 महिलाओं के साथ शिक्षण का कार्य विकास खण्ड जखौरा में किया जा रहा है। साई %योति संस्था सचिव श्री अजय श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में परियोजना से जुड़े सभी लोगों के कार्यो की प्रशंसा की और अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनायें देते हुए नव साक्षर महिलाओं से पठन-पाठन की गतिविधियों को निरंतर जारी रखने की गुजारिश की। तारा अक्षर कार्यक्रम के ब्लॉक कॉआर्डिनेटर श्री पुष्पेन्द्र ने कहा तारा अक्षर कार्यक्रम एक कम्प्यूटर पर आधारित साक्षरता कार्यक्रम है जो निरक्षर महिलाओं को 56 दिनों में हिन्दी पढ़ना-लिखना एवं गणित की मूलभूत जानकारी देता है। इसके पश्चात 6 माह के लिए ज्ञान चौपाली का संचालन किया जाता है जिसमें नवसाक्षर महिलाओं को साक्षरता के अभ्यास कराने के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से दैनिक जीवन में काम आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाती हैं। इसके पश्चात नवसाक्षर महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण भी प्रदान कराया जाता है। तारा अक्षर कार्यक्रम के चीफप्रोजेक्ट मैनेजर कर्नल एम. एस. आहलुवालिया ने अपने सन्देश में सभी को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम के आयोजन में आधार सिंह यादव, सीनियर सुपरवाइजर राघवेन्द्र पाण्डे, नन्दलाल राजपूत, भूपेन्द्र नायक, प्रशिक्षक बब्ली, राजेश्वरी, भारती तारा सहेली प्रियंका, सरिता, रश्मि तथा साई %योति संस्था से कमलेश भवानी आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन महेश रिछारिया ने किया व आभार अरविन्द चतुर्वेदी ने किया।

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

वाराणसी • रविवार • 09 सितंबर 2018

महिलाओं के शिक्षित होने से साक्षर होगा समाजः जिलाधिकारी

चकरा महावीर मंदिर परिसर में अंतरराष्ट्रीय साक्षर दिवस पर शनिवार को बोलते डीएम राजेंद्र प्रसाद।

चकरा महावीर मंदिर परिसर में अंतरराष्ट्रीय साक्षर दिवस पर शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

ज्ञानपुर | निज संवाददाता

सोसाइटी फार डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स सार्थक संस्था के तत्वावधान में क्षेत्र के चकरा महावीर मंदिर परिसर में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रहे जिलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस दौरान डीएम ने कहा कि प्रत्येक निरक्षर व्यक्ति को साक्षर होना अत्यंत जरूरी है। एक पुरुष जब साक्षर होता है तो सिर्फ एक शिक्षित होता है, लेकिन जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार साक्षर हो जाता है। तारा अक्षर के माध्यम से साक्षर हुई करीब तीन हजार महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपने हित में आवाज उठा रही हैं। बेटियों की पढ़ाई के प्रति समाज के हर वर्ग को गंभीर होने की जरूरत है।

शिक्षा ही एक ऐसा विकल्प है जिसके माध्यम से हम अपने हक के लिए आवाज उठा सकते हैं। शिक्षा ऐसा धन है जिसे जितना खर्च करेंगे वह उतना ही बढ़ता है। सीडीओ हरिशंकर सिंह ने भी तारा अक्षर द्वारा चलाए जा रहे सार्थक पहल की तारिफ की। इस मौके पर सीएमओ डा. सतीश सिंह, डा. माधुरी पांडेय, राजेश कुशवाहा, प्रवीण कुमार, कृष्णमुरारी, प्रकाशचंद्र, सुभाषचंद्र, राकेश कुमार आदि मौजूद थे।